शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

मूल्य परक अध्ययन सामग्री

सत्र-2012-13

विषय - सामाजिक विज्ञान

कक्षा-IX

-निर्देशन-
डॉ. सुनीता एस. कौशिक
अतिरिक्त शिक्षा निदेशिका

समन्वयकर्ता
श्रीमती मधु गुप्ता, प्रधानाचार्या
रा० उ० क० मा० विद्यालय,
ईस्ट ऑफ कैलाश
नई दिल्ली

तैयारकर्ता

१. श्रीमती नीरू शर्मा
पी. जी. टी.
रा० उ० क० मा० विद्यालय
ईस्ट ऑफ कैलाश

२. श्रीमती मालती विश्रांत
टी.जी.टी
रा०उ०क०मा० विद्यालय
ईस्ट ऑफ कैलाश

३. श्रीमती कमल ग्रोवर
टी०जी०टी
रा०उ०क०मा० विद्यालय
ईस्ट ऑफ कैलाश

४. श्रीमती नीलम कालरा
पी०जी०टी०
रा०उ०क०मा० विद्यालय
डी० डी० ए० फलैट्स
कालकाजी, नई दिल्ली-१९

५. श्रीमती मंजू रानी
टी.जी.टी
सर्वोदय कन्या विद्यालय नं० २
ईस्ट ऑफ कैलाश

इतिहास

मूल्य परक प्रश्न

वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद

प्र01 खेती के विस्तार को विकास का सूचक क्यों माना जाता है ?

प्र02 औपनिवेशिक काल में वनों का विना ा क्यों किया गया ?

प्र03 आदिवासियों को औपनिवेशिक शासन में शिकार की मनाही थी जबकि औपनिवेशिक शासकों को शिकार करने पर इनाम दिया जाता था। क्या यह उचित था?

प्र04 वनों तथा आजीविका के मध्य संबंध बताइये।

प्र05 वन प्रदेशों में रहने वाले बच्चे पेड़ पौधों की सैकड़ों प्रजातियों के नाम बता सकते हैं आप पेड़ पौधों की कितनी प्रजातियों के नाम जानते हैं ?

प्र06 घुमन्तू खेती किसे कहते हैं ? औपनिवेशिक शासकों ने घुमन्तू खेती पर रोक क्यों लगाई?

प्र07 कागज के बिना जीवन की कल्पना कीजिए ?

प्र08 औपनिवेशिक शासन के समय स्लीपर बनाने के लिए पेड़ों की कटाई की गई यह कहां तक उचित था ?

इतिहास

आधुनिक विश्व में चरवाहे

प्र01राजस्थान के राइका समुदाय के एक व्यक्ति को अचानक पता चलता है कि उनके समुदाय को अपराधी घोषित कर दिया गया है उस व्यक्ति का जीवन कैसे प्रभावित होगा?

प्र02 औपनिवेशिक शासन के दौरान चरवाहों पर कौन कौन सी बंदिशें थोपी गईं?

प्र03औपनिवेशिक शासन के दौरान जंगलों में जानवरों को चराने पर रोक लगा दी गई। इस संबंध में एक चरवाहे तथा एक वन अधिकारी पर टिप्पणी लिखिए।

प्र04 मासाई शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए तथा उनके बारे में बताइये।

प्र05जम्मू कश्मीर के गुज्जर बक्करवाल किस तरह से अपनी जीविका अर्जित करते हैं तथा उनकी गतिविधियों के चक्र की व्याख्या कीजिए।

प्र06जनजातीय समुदायों के लिए चक्रीय गतिविधि क्यों आवश्यक है । यह गतिवधि अत्याधिक चराई के नकारात्मक प्रभाव से भूमि को कैसे रोकती है?

प्र07 राइका प्रजाति के लोग राजस्थान में कृषि एवं चरवाही को क्यों मिला देते हैं ?

प्र08 कौन से किसान वापसी में धांगर चरवाहों को चावल देते हैं तथा क्यों ?

प्र09 चरवाहा समुदाय के आवागमन से पर्यावरण को क्या लाभ है ?प्रश्न

इतिहास

किसान और काश्तकार

प्र01 बाड़ा बंदी आंदोलन के गरीब जनता पर प्रभावों का वर्णन कीजिए।

प्र02 सार्वजनिक भूमि की समाप्ति का परिवार के भीतर स्त्री, पुरूष और बच्चों के आपसी संबंधों पर क्या असर हुआ होगा ?

प्र03 पूर्वी तट से देखने पर अमरीका संभावनाओं से भरा दिखता था , स्पष्ट करें?

प्र04 अमरीका में मशीनीकरण से किसानों की दयनीय दशा किस प्रकार हो गई थी ?

प्र05 पर्यावरण के संतुलन का सम्मान करना कितना जरूरी है ? अमरीका में 1930 के दशक में आये रेतीले तूफानों का संदर्भ देते हुए स्पष्ट करें।

प्र06 अफीम के सेवन का मनुष्य पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है ? (स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता)

प्र07 मंचू सभी विदेशी सौदागरों को शक की नजर से क्यों देखते थे ?

प्र08 औपनिवेशिक काल में अंग्रेज अफीम की खेती करने हेतु भारतीय किसानों पर दबाव क्यों डालते थे ?

प्र09 भारतीय किसान अफ़ीम की खेती के प्रति उदासीन ही रहते थे क्यों?

इतिहास

इतिहास और खेल : क्रिकेट की कहानी

प्रश्नावली

प्र01 खेल हमारे जीवन में क्या महत्व रखता है?

अथवा

खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा कैसे है ?

प्र02 अठारहवीं व उन्नीसवीं सदी में इंग्लैंड के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास ने क्रिकेट को अनोखा स्वरूप किस प्रकार प्रदान किया?

प्र03 18वीं और 19वीं सदी में क्रिकेट के नियम कानून किस प्रकार बने ?

प्र04 शुरूआती दौर में क्रिकेट द्वारा लोगों के सामाजिक स्तर की जानकारी कैसे मिलती थी ?

प्र05 उन्नीसवीं सदी के स्कूली पाठ्यक्रम के आधार पर उस समय लड़कियों के लिए कैसा आचरण सही माना जाता था ?

प्र06 भारत में क्रिकेट की शुरूआत कब और किसने की ?

प्र07 महात्मा गांधी पेंटाग्युलर टूर्नामेंट के आलोचक क्यों थे ?

प्र08 आधुनिक क्रिकेट की विशेषताएं एवं स्थिति की जानकारी दीजिए।

पहनावे का सामाजिक इतिहास

प्र0 1 फ्रांसीसी क्रान्ति का सम्पच्युरी कानून पर क्या प्रभाव पड़ा?

प्र0 2. पहनावे की शैली द्वारा मर्दो और औरतों के बीच किस प्रकार का भेदभाव किया जाता था?

प्र0 3. 1830 में इंग्लैंड की महिला पत्रिकाओं द्वारा तंग कपड़ों की क्या हानियां बताई गई?

प्र0 4. अमेरिका में हुए आन्दोलनों में महिलाओं के तंग वस्त्रों के क्या नुकसान बताए गए?

प्र0 5. विश्वयुद्धों के पश्चात् महिलाओं की वेशभूषा में क्या परिवर्तन आए?

प्र0 6. 19 वीं सदी में पश्चिमी वेशभूषा आई तो हिन्दुस्तानियों की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्र0 7. विश्व युद्धों के पश्चात् पश्चिमी महिलाओं के पहनावे में तेजी से बदलाव आया जबकि भारत में ऐसा क्यों नहीं हुआ?

प्र0 8. समूचे भारत में खादी अपनाई जाए गाँधी जी का यह सपना क्यों पूरा नहीं हुआ?

इतिहास

वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद

उ01 खेती का विस्तार विकास का सूचक है क्योंकि बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्नों की आपूर्ति खेती द्वारा ही सुनिश्चित की जा सकती है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जमीन जोतने के लिए पेड़ों की कटाई करनी पड़ती है।

(विचारशीलता)

उ02 1. खेती के विस्तार के लिए।

2. शाही सेना के आवागमन तथा व्यापार के लिए।

3. यूरोप में चाय, कॉफी तथा रबड़ की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए।

(जागरूकता)

उ03 वन कानूनों के पहले आदिवासियों के समूह शिकार करके जीवन यापन करते थे जबकि शिकार करना औपनिवेशिक शासकों के लिए मनोरंजन का साधन था। कानूनों के बाद आदिवासियों के शिकार करने पर बंदिश लगा दी गई जो कि बिल्कुल भी उचित नहीं था क्योंकि प्रकृति की बनाई हुई चीजों पर किसी भी समुदाय का व्यक्तिगत अधिकार नहीं हो सकता।

(तुलनात्मक विश्लेषण)

उ04 1. कंदमूल, फल, पत्ते आदि का विभिन्न जरूरतों में उपयोग।

2. दवाओं के लिए जड़ी बूटियों का इस्तेमाल।

3. औजार तथा बाड़े बनाने में।

4. रस्सी, टोकरी, छतरी इत्यादि तथा प्रतिदिन उपयोग में आने वाली वस्तुओं के लिए व्यक्ति की वनों पर निर्भरता।

(जागरूकता)

उ05 सेमल, साल, टीक, शीशम, महुआ, पाइन, फर, चंदन इबोनी आदि।

(जागरूकता)

उ06 इसके लिए वनों को कुछ भागों को बारी बारी से काटा तथा जलाया जाता है। जंगल जलाते समय बड़े बेशकीमती पेड़ों को भी फैलती लपटों की चपेट में आ जाने का खतरा बना रहता था तथा लगान का हिसाब भी रखना मुश्किल था। (जागरूकता)

उ07 जंगलों के उत्पाद कागज निर्माण के महत्वपूर्ण स्तोत्र हैं , बिना सोचे पेड़ों को काटना गलत है। इससे दिन प्रतिदिन जंगल गायब हो रहे हैं बिना जंगल और पेड़ों के कागज के लिए कच्चा माल नहीं मिलेगा तथा बिना कागज के समाचार पत्र, पुस्तकें, कापियां उपलब्ध नहीं होंगी।

(कागज का महत्व)

उ08 लकड़ी के स्थान पर लोहे या पत्थर का इस्तेमाल किया जा सकता था अथवा पेड़ काटकर उनकी जगह नये पेड़ लगाये जा सकते थे।

(विचारशीलता)

इतिहास

आधुनिक विश्व में चरवाहे

उ01 अचानक पता चलने पर समुदाय के लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो जायेगा क्योंकि घुमंतू समुदाय पूरी तरह से प्राकृतिक वातावरण पर ही निर्भर होते हैं।

(जागरूकता)

उ02 जंगलों में दाखिल होने के लिए उन्हें परमिट लेना पड़ता था। जंगल में उनके प्रवेश व वापसी की तारीख पहले से तय होती थी। हरेक चरवाहे को एक पास जारी कर दिया गया था। (परिस्थिति जनक)

उ03 1. वन अधिकारी का कर्तव्य है कि वह वनों की सुरक्षा तथा देखरेख करे तथा चरवाहों के प्रवेश पर रोक लगायें।

2. चरवाहे की आजीविका वनों पर निर्भर करती है रोक लगाने से न केवल चरवाहे प्रभावित होंगे बल्कि मवेशियाँ की जिन्दगी को भी खतरा हो जायेगा।

(तुलनात्मक विश्लेषण)

उ04 'मासाई' नाम ''मा'' शब्द से निकला है। मा-साई का अर्थ होता है मेरे लोग। मासाई लोग परंपरागत रूप से घूमंतू तथा चरवाहे हैं। (जागरूकता)

उ05 गुज्जर बक्करवाल जम्मू कश्मीर के चरवाहे हैं जो भेड़ और बकरी चराते हैं। सर्दियों में जब ऊंचे पर्वत बर्फ से ढक जाते हैं , वे शिवालिक की पहाड़ियों में चले जाते हैं। ग्रीष्म ऋतु में वे फिर उत्तर की ओर चले जाते हैं क्योंकि यहां बर्फ पिघल जाती है तथा पर्वतीय ढालों पर मनमोहक घास पैदा हो जाती है। (जागरूकता)

उ06 1. जानवरों को नई घास चरने के लिए मिलती है।

2. बंजारे व्यापार भी कर सकते हैं। किसानों से संपर्क स्थापित कर उनके खेतों में चराई कर सकते हैं तथा बदले में प ुओं के मलमूत्र से उनके खेतों को खाद मिल जाती है।

चलवासी जीवन से प्राकृतिक वनस्पति को उगने का समय मिलता है। प्रतिबंध से एक ही चरागाह लगातार प्रयोग में आता है इसीलिए उसके गुणों में गिरावट आ जाती है।

(विवेकशीलता)

उ07 राइका प्रजाति के लोग दो व्यवसायों से जीविका कमाते हैं कृषि करना तथा पशुओं को चराना। राजस्थान में क्योंकि बारिश कम होती है, वह भी अनिश्चित इसलिए विस्तृत भूभाग पर खेती नहीं की जा सकती। (सक्रियता)

उ08 कोंकणी किसान वापसी में चरवाहों को चावल देते हैं क्योंकि पशुओं के चरने से उनके खेतों को खाद मिल जाती थी तथा खेतों में बची हुई ठूंठ भी पशु खा लेते थे। (विचारशीलता)

उ09 चलवासी चरवाहे अपने अपने पशुओं को लेकर एक स्थान से दूसरे स्थानों पर वर्ष की विभिन्न वस्तुओं में आते जाते रहते थे उस स्थान पर चारा खत्म होने की स्थिति में दूसरे चरागाहों में चले जाते थे। इस स्थान परिवर्तन में से प्रकृति के वातावरण को दोबारा सजने संवरने का समय मिल जाता था। (जागरूकता)

उत्तर

इतिहास

किसान और काश्तकार

उ01 सांझी जमीन से गरीबों को बेदखल कर दिया गया जिस पर वे खेती करते थे या जलावन की लकड़ी इकट्ठा करते थे और खाद्यान्न उपजाना शुरू कर दिया गया। (विचारशीलता)

उ02 परिवार की भूख ना मिटा पाने के कारण स्त्री पुरूष तनावग्रस्त होंगे तथा बच्चे गैर कानूनी कार्यों में लिप्त हो जायेंगे।

उ03 घास से भरे जंगल तथा मैदानों को खेती में बदला जा सकता था जंगल से इमारती लकड़ी तथा पशुओं की खाल का निर्यात तथा खनिजों का दोहन किया जा सकता था।

(सक्रियता)

उ04 गरीब किसानों ने बैंक से ऋण लेकर मशीनें खरीदीं लेकिन अनाज की मांग में कमी के कारण कर्ज अदा नहीं कर पाये तथा जमीन से हाथ धोना पड़ा। (परिस्थिति जनक)

उ05 जमीन के हर संभव हिस्से से घास साफ कर लगातार खेती करने के कारण जमीन की ऊपरी परत काफी हद तक खराब हो गई थी जो रेतीले तूफानों का कारण बनी।

(मूल्य - पर्यावरण के प्रति जागरूकता)

उ06 दांत खराब हो जाते हैं, भूख समाप्त हो जाती है तथा शरीर पर फोड़े फुन्सी हो जाते हैं।

उ07 उन्हें डर था कि ये विदेशी व्यापारी चीन की स्थानीय राजनीति में हस्तक्षेप करेंगे और अपने प्रभाव और सत्ता को बनाने के लिए चीन की संस्कृति और सत्ता की अस्थायी बनाने के लिए षडयन्त्र करेंगे।

उ08 1. जलवायु की उपयुक्तता तथा चीन के निकट स्थित होने के कारण।

2. अफीम के बदले अंग्रेज चीन से चाय खरीदते थे तथा चांदी बचाने के लिए।

(जागरूकता)

उ09 1. अफीम की खेती करना एक कठिन प्रक्रिया।

2. कम मूल्य का मिलना।

3. सबसे उपजाऊ जमीन।

4. अन्य फसलों पर ध्यान न दे पाना।

5. गैर कानूनी तथा मानव मूल्य विरोधी। (जागरूकता)

इतिहास और खेल : क्रिकेट की कहानी

6. उत्तर

उ01 खेल हमारी मौजूदा जिन्दगी का अहम हिस्सा है-

क- इसके द्वारा हम अपना मनोरंजन करते हैं।

ख- स्वयं को फिट रखने तथा प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है।

ग- सहयोगात्मक तरीके से काम करते हैं तथा अपनी सामाजिक तरफदारी व्यक्त करते हैं।

(विचारशीलता)

उ02 क्रिकेट एक अनोखा खेल माना जाता था क्योंकि-

क- क्रिकेट एक अजूबा खेल था क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में खेल लगातार पांच दिन तक चलता था और कोई नतीजा नहीं निकलता जबकि अन्य खेलों में समय सीमा तय होती है।

ख- क्रिकेट की अन्य दिलचस्प बात थी कि पिच की लम्बाई तो तय 22 गज होती थी पर मैदान का आकार-प्रकार एक सा नहीं होता था।

ग-हॉकी, फुटबाल जैसे खेलों में मैदान के आयाम तय होते हैं जबकि क्रिकेट में ऐसा नहीं होता। (जागरूकता, तुलनात्मक)

उ03 क- खेलों के इतिहास में क्रिकेट ने ही सर्वप्रथम अपने लिए नियम बनाये और वर्दियाँ भी अपनाई।

ख- क्रिकेट के कानून सर्वप्रथम 1744 ईसवी में लिखे गये। नियमों के अनुसार खेल के दो अंपायर होंगे जिन्हें किसी भी प्रकार के विवादों को निपटाने का अन्तिम अधिकार होगा।

ग- नियमानुसार स्टंप 22 इंच ऊंचे होंगे उनके बीच की गिल्लियां 6 इंच की होगी और स्टंप के बीच की दूरी 22 गज होगी और बल्ले के आकार पर कोई पाबंदी नहीं थी।

घ- 1760 तथा 1770 के दशकों में गेंद लुढ़काने के स्थान पर हवा में फेंकना आरम्भ हो गया।

ड.- 19वीं सदी में कई परिवर्तन हुए तथा खेल के अनेक नियम जैसे वाइड बॉल आदि नियम बने। गेंद की परिधि निर्धारित की गई तथा सुरक्षात्मक उपकरण आदि उपलब्ध कराये गये।

(जागरूकता)

7. उ04 इंग्लैंड में क्रिकेट के आयोजन पर अंग्रेजी समाज की छाप साफ थी जैसे-

क- अमीर जो मज़े के लिए क्रिकेट खेलते थे उन्हें 'शौकिया' कहा गया परन्तु रोजी रोटी के लिए खेलने वाले गरीबों का 'पेशेवर' कहा गया।

ख- अमीर शौकिया खिलाड़ी केवल आनन्द के लिए खेलते थे जबकि पेशेवर खिलाड़ी मेहनताने के लिए खेलते थे।

ग- अमीर शौकीनों को 'जेंटलमेन' की उपाधि दी गई तो पेशेवर को 'खिलाड़ी' का अदना सा नाम मिला।

घ- मैदान में घुसने के लिए प्रवेश द्वार भी अलग-अलग थे।

ड.-शौकीन बल्लेबाजी करते थे वहीं खिलाड़ी गेंदबाजी किया करते थे।

(जागरूकता)

उ05 औरतों के लिए कठिन और प्रतिस्पर्धी खेल अच्छा नहीं माना जाता था इसलिए उनके लिए क्रिकेट नहीं बल्कि क्रोकेट खेल था जिसे धीमी गति वाला सौम्य खेल कहा गया । इसे औरतें विशेषकर उच्चवर्गीय महिलाओं के लिए अच्छा माना जाता था ।

(जागरूकता, विचारशीलता)

भारत में क्रिकेट की शुरूआत का श्रेय बम्बई के पारसी समुदाय को जाता है । जिन्होने 1848 में पहले क्रिकेट क्लब ओरियंटल क्रिकेट क्लब की स्थापना की ।

(जागरूकता)

8. महात्मा गांधी ने पंचकोणीय खेल (पेटांग्युलर टूर्नामेंट) का सदा विरोध किया क्योकि -

क. इसमें यूरोपीय, पारसी, हिन्दू तथा मुस्लिम टीमें थी, बाद में भारतीय ईसाइयों को भी टीम में शामिल किया गया । इस प्रकार यह पंचकोणीय खेल प्रतियोगिता बन गई ।

(ख) यह खेल प्रतियोगिता धर्म पर आधाारित थी ।

(ग) यह महात्मा गाँधी भारत में सभी धर्मो को साथ लेकर स्वतन्त्रता आन्दोलन चला रहे थे । इसलिए धर्म आधाारित प्रतियोगिता को वे अपने स्वतन्त्रा आन्दोलन के मार्ग का बाधक मानते थे । (जागरूकता, तर्कशीलता)

8 (क) आधुनिक समय में टेस्ट क्रिकेट की अपेक्षा एक दिवसीय और 20-20 मैच पसन्द किए जाते है।

(ख) आज के खेल में रंगीन वर्दी, हिफाजती हेलमेट आदि होते है ।

(ग) खेल का व्यवसायीकरण तथा वैश्वीकरण हो चुका है ।

(घ) खिलाडी सेलेब्रिटी बन गए है, ज्यादा वेतन पाते है तथा विज्ञापनों द्वारा भी आय अर्जित करते है ।

(ड) उपग्रह (सेटेलाइट) टी0वी0 की तकनीक द्वारा किसी भी जगह हो रहे मैच का लुत्फ उठाया जा सकता है। (विश्लेषणात्मक जागरूकता)

इतिहास

पहनावे का सामाजिक इतिहास

1. उत्तर

फ्रांसीसी क्रान्ति ने सम्पयुचरी कानूनों द्वारा उत्पन्न भेदभाव को समाप्त कर दिया।

क. इसके बाद मर्द औरत दोनों ही ढीले-ढाले और आरामदेही कपड़े पहनने लगे।

ख. फ्रांसीसी तिरंगे के तीन रंग नीला, सफेद और लाल रंग लोकप्रिय हो गए और इन्हें पहनना देशभक्त नागरिक की निशानी बन गए।

ग. पोशाक के राजनीतिक प्रतीक जैसे स्वतंत्रंता की निशानी लाल टोपी, लंबी पतलून और तिरछी टोपियां आदि खूब पहने जाने लगे इसमें समानता का भाव प्रकट होता था।

मूल्य (जागरूकता और विचारशीलता)

2. पहनावे की शैलियों का फर्क औरतों और मर्दो के बीच आसानी से देखा जा सकता था।

क. विक्टोरियाई इग्लैंड में महिलाओं को आज्ञाकारी, खिदमती, सुशील व दब्बू होने की शिक्षा दी जाती थी।

ख. मर्दो से धीर, गंभीर, बलवान, आजाद और आक्रामक होने की उम्मीद की जाती थी जबकि औरतों से छुईमुई, आज्ञाकारी व दब्बू होने की।

ग. लड़कियों के बदन का फैलाव न हो इसलिए उन से तंग कपड़े पहनने को कहा जाता था।

(तुलनात्मक विचारशीलता)

3. 1830 ई. में इग्लैंड की महिला पत्रिकाओं द्वारा तंग कपड़ों के नुकसान तथा जन चेतना लाने का प्रयास किया गया।

(क) तंग लिबास व कंसर्ट पहनने से जिस्मानी विकास नहीं हो पाता इससे रक्त प्रवाह भी अवरूद्ध होता है।

(ख) माँसपेशियां अविकसित रह जाती है और रीढ़ भी झुक जाती है।

(ग) महिलाओं के शरीर मे कमजोरी रहती है जिससे शरीर निढाल रहता है तथा जब तब

वे बेहोश हो जाया करती थी।

(परिस्थिति के प्रति जागरूकता)

4. (क) पारम्परिक लिबास (लंबे स्कर्ट) फर्श बुहारते चलते जिससे भी अपने साथ कूड़ा बटोरते चलते जो बीमारी का कारण होते हैं।

(ख) यह स्कर्ट भारी और विशाल होती है जिसे मुश्किल था।

(ग) रोजगार के लिए जाने वाली महिलाओं के लिए इसे संभालना मुश्किल था अतः वस्त्र आरामदायक और सुविधाजनक होने चाहिए।

(परिस्थिति के प्रति जागरूकता)

5. विश्वयुद्धो के पश्चात महिलाओं के परिधाान में कई बदलाव हुए।

(क) महिलाओं ने आभूषण तथा बेश कीमती कपड़े पहनने छोड़ दिए।

(ख) रोजगार के लिए जाने वाली महिलाओं ने आवश्यकतानुसार छोटे वस्त्र पहनने शुरू किये।

(ग) बीसवीं सदी के दौरान सादगी भरी जीवनशैली अपनाई गई, खेलकूद के लिए भी छोटे कपड़ो की आवश्यकता थी।

(जागरूकता)

6. हिन्दुस्तानियों की प्रतिक्रिया

(क) मर्दो ने पाश्चात्य पहनावे की चुनिंदा चीजे अपनाई, अमरी पारसी समुदाय के लिए ये वेशभूषा आधुनिकता तथा प्रगति के प्रतीक थी। पश्चिमी पोशाक का आकर्षण निम्न जाति के उन तबकों में भी था जिन्होनें ईसाई धर्म अपना लिया था। उसे वे मुक्ति का प्रतीक मानते थे।

(ख) कुछ लोगों का मानना था कि पश्चिमी संस्कृति से पारम्परिक सांस्कृतिक अस्मिता का नाश होगा।

(ग) कुछ पुरूषों ने घर के बाहर काम के लिए पश्चिमी शैली के वस्त्र पहनने तथा घर में भारतीय पोशाकों को ही पसन्द किया।

(जागरूकता)

7. भारत एक पुरूष प्रधान देश है। जहाँ महिलाओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे सामाजिक, धार्मिक और भारतीय परम्परा अनुसार ही वस्त्र पहने। उन्हें अपने लिए वस्त्र चुभने की स्वतंत्रता नहीं थी।

(विचारशीलता व तर्कशीलता)

8. राष्ट्रवादी जैसे मोती लाल नेहरू ने हिन्दुस्तानी धोती-कुर्ता अपना लिया लेकिन उनकी पोशाक मोटे खुरदरे कपड़े की न होकर बारीक कपड़े से बनी होती थी।

(ख) जाति प्रथा के चलते सर्दियों से वंचित तबको का पश्चिमी शैली के कपड़ो के प्रति मोह था इसलिए बाबा साहेब अम्बेडकर ने भी पाश्चात्य शैली का सूत कभी नहीं छोड़ा।

(ग) खादी बहुत महंगी थी इसलिए सभी इसे नही खरीद पाते थे।

(घ) सरोजनी नायडू और कमला नेहरू जैसी महिलाएं सफेद हाथ से बुने मोटे कपड़ों की जगह रंगीन व डिजाइन दार साड़ियां पहनती थी।

(विचारशीलता)

भूगोल

मूल्य परक प्रश्न

जलवायु

प्र01 शिमला की अपेक्षा दिल्ली में गर्मियों में बहुत गर्मी पड़ती है । क्यों ?

प्र02 एलनीनो क्या है । यह मानसून को किस प्रकार कमजोर करता है ।

प्र03 मान लीजिए आप रामपुर गाँव में रहते है । आप का मुख्य व्यवसाय कृषि है । आप जून, जुलाई मास में भारत में आकाश की और क्या देखते है या ढूँढते हैं?

प्र04 ''नदी तालाब लबालब भरे है ! मैढक टर्र टर्र करे है'' बताओ यह कौन सी ऋतु है? इसकी अवधि भी बताओ ।

प्र05 पीछे हटते हुए मानसून के समय को संक्रमण का समय क्यों कहा जाता है?

प्र06 भारत की ऋतुएँ कौन कौन सी हैं ?उनकी अवधि कितनी है ।

प्र07 भारत के किस भाग में तापमान अधिक होता है और क्यों ?

प्र08 दिल्ली में केरल की अपेक्षा वर्षा देर से आरंभ क्यों होती है ?

प्र09 दैनिक तापांतर और वार्षिक तापातंर में अन्तर बताइए ।

भूगोल

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

प्र01 ' बाघ बचाओ ' विज्ञापन दूरदर्शन पर क्यों दिखाया जाता है ?

प्र02 तुलसी, नीम, जामुन, बबूल अर्जुन घर में उगाओ अपने हकीम खुद बन जाओ । इनके लाभ बताओ

प्र03 वन पर्यावरण की गुणवत्ता को बढाने में क्या भूमिका निभाते है ?

प्र04 देशज वनस्पति और विदेशज वनस्पति में अंतर बताओ ।

प्र05 भारत का राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय पक्षी कौन सा है?

प्र06 भारत में वन क्षेत्र को बढाना क्यों आवश्यक है ?

प्र07 कंटीले वन तथा झाडियाँ , मरूस्थल की विषम जलवायु का सामना किस प्रकार करते है ?

प्र08 भारत में कितने जीव मंडल निचय है?

प्र09 पादप जगत तथा जन्तु जगत के संरक्षण के लिए क्या उपाय किये जा रहे है ?

भूगोल

जनसंख्या

1. जनसंख्या के विषय में जानकारी होना क्यों आवश्यक है ?
2. जनसंख्या के विषय में अध्ययन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
3. जनसंख्या के असमान वितरण के लिए उतरदायी कारक कौन कौन से है?
4. आयु संरचना के आधार पर अर्जक वर्ग और आश्रित वर्ग के विषय में बताएँ ।
5. लिंग अनुपात किसे कहते है ? देश का लिंग अनुपात किसके पक्ष में होता है ?
6. व्यावसायिक संरचना के आधार पर व्यवसायों को कितने वर्गो में बांटा जाता है ? वर्णन कीजिए ।
7. किशोर जनसंख्या क्यों महत्वपूर्ण है तथा इनके विकास के लिए भारत सरकार के कुछ कार्यक्रम बताएँ ।
8. जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों के विषय में बताए ।

भूगोल - जलवायु

उतर 1. जैसे जैसे हम ऊँचाई पर जाते है । तापमान कम होता जाता है

2. शिमला अधिक ऊँचाई पर स्थित है जबकि दिल्ली मैदानी क्षेत्र है

3 शिमला की तुलना में दिल्ली समुद्र के अधिक पास है (भौगोलिक भिन्नता बारे में जागरूकता)

उतर 2.एलनीनों एक उष्ण महासागरीय धारा है । यह पेरू के तट पर उत्पन्न होती है और पेरू की शीत धारा को अस्थायी रूप से हटाकर उसका स्थान ले लेती है । एलनीनों एक स्पेनिश शब्द है जिसका अर्थ है ' बच्चा ।

एलनीनों के कारण समुद्र के तल का तापमान बढ जाता है और व्यापारिक पवनों की गति मंद पड़ जाती है । मानसून देर से आएगा या औसत से कम वर्षा होगी ।

(मानसून का बनना)

उतर 3 किसान खेती के लिए वर्षा का इंतजार करता है, इसलिए आकाश में मानसून के बादलों को ढूँढेंगे । भारत में कृषि वर्षा पर निर्भर है

(मौसम के बारे में जागरूकता)

उतर 4 यह वर्षा की ऋतु है, जून से सितंबर तक वर्षा की ऋतु होती है। (वर्षा ऋतु के बारे में जागरूकता)

उतर 5 :- इस समय गर्मी वर्षा ऋतु के स्थान पर शुष्क शीतकालीन दशाएँ आरम्भ हो जाती है दिन का तापमान अधिक होता है परन्तु रात में मौसम ठंडा हो जाता है । तापमान में आर्द्रता के कारण कीटाणु जल्दी पनपते है तथा बीमारियाँ फैलती है ।

(सक्रंमण रोगों के बारे में जागरूकता)

उतर 6 :- 1. शीत ऋतु- दिसंबर से फरवरी ।
2. ग्रीष्म वर्षा ऋतु - मार्च से मई तक ।
3. आगे बढते हुए मानसून की ऋतु - जून से सितम्बर ।
4. पीछे हटते हुए मानसून की ऋतु - अक्टूबर , नवम्बर ।

(ऋतुओं की जानकारी)

उतर 7 :- राजस्थान के थार मरूस्थल में दैनिक तापमान अधिक होता है । यहाँ दिन का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक तथा रात का 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है । रेत जल्दी गर्म हो जाती है तथा जल्दी ठंडी हो जाती है जिससे तापमान एक दम अधिक हो जाता है और एकदम गिर जाता है ।

(मरूस्थल की जलवायु की जानकारी)

उतर 8:-दक्षिण पश्चिम मानसून पवनें जून में केरल तट से आरम्भ होती है । इसलिए ये पवनें सबसे पहले केरल में वर्षा करती है । बंगाल की खाडी से चलने वाली मानसून पवने भी पहले उतर पूर्वी राज्यों में वर्षा करती है , दिल्ली तक पहुँचने में इन पवनों को लगभग एक मास का समय लगता है इसलिए दिल्ली में केरल की अपेक्षा देर से , लगभग एक महीने बाद वर्षा आरम्भ होती है ।

(तुलनात्मक दृष्टिकोण)

उतर 9 :- किसी भी दिन के 24 घण्टे के अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान के अन्तर को दैनिक तापांतर कहते है ।

किसी भी स्थान के सबसे गर्म महीने के औसत तापमान और सबसे ठंडे महीने के औसत तापमान के अन्तर को वार्षिक तापांतर कहते है ।

(तुलनात्मक दृष्टिकोण)

भूगोल

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

उतर 1 :- बाघ एक संकटापन्न जीव है । हमारे देश में बाघों की संख्या लगातार कम हो रही है । इसलिए सरकार द्वारा 16 बाघ आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए है । इन क्षेत्रों में बाघों का प्राकृतिक आवास मिलता है।

(जीवों के प्रति जागरूकता)

उतर 2 तुलसी - यह खॉसी और जुकाम में उपयोगी है ।

नीम- त्वचा रोगों के लिए उपयोगी है ।

जामुन - जामुन की छाल खाँसी , साँस रोग, पेंचिश में उपयोगी है । बीज, मधुमेह रोग में उपयोगी है ।

बबूल - इसके पत्ते ऑख की फुंसी के लिए, गोंद का प्रयोग शारीरिक शक्ति की वृद्धि के लिए उपयोगी हैं ।

अर्जुन - यह रक्तचाप की नियमितता के लिए उपयोगी है।

(औषधि पौधों के प्रयोग)

उतर 3 1. वन लोगों को जीविका प्रदान करते हैं ।

2. यह स्थानीय जलवायु, मृदा अपरदन तथा नदियों की धारा को नियंत्रित करते हैं।

3. वन बहुत सारे उद्योगों में सहायता करते हैं यह वर्षा लाने में सहायता करते हैं तथा पवन और तापमान को नियंत्रित करते हैं

4. वन वन्य प्राणियों को आश्रय प्रदान करते हैं । वनों के मनोरम प्राकृतिक दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं । (वनों का महत्व और गुणवता)

उतर4 :-यह वनस्पति जो कि मूलरूप से भारतीय है उसे देशज कहते है । जो पौधो भारत के बाहर से आए है उन्हें विदेशज पौधो कहते है ।

उतर 5 भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है और राष्ट्रीय पक्षी मोर है ।

(जागरूकता)

उतर 6:- सन 2001 में वनों का कुल क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 21 प्रतिशत था । पर्यावरण के संतुलन के लिए इसका 33 प्रतिशत होना आवश्यक है । भारत की जनसंख्या लगातार बढ रही है । हमारी आवश्यकता भी बढ़ रही है । इसलिए वनों का क्षेत्र बढ़ाना आवश्यक है।

उतर 7 :- कंटीले वन तथा झाडियों की जड़े लम्बी तथा पानी की तलाश में चारों और फैली होती है । इनकी पत्तियाँ छोटी तथा कांटेदार होती है ताकि वाष्पीकरण कम से कम हो सके । कोई जीव जन्तु इन पत्तियों को न खा सके , शुष्क भागों में जहॉ वर्षा की कमी होती है कंटीले वन तथा झाडियाँ पाई जाती है।

उतर 8 :- भारत में 14 जीव मंडल निचय है । इनमें से चार को विश्व जीव आरक्षण क्षेत्र में गिना गया है । सुन्दरवन -प0 बंगाल, नंदा देवी, उतरांचल, मन्नार की खाड़ी-तमिलनाडू ,नीलगिरी - कर्नाटक, केरल और तमिलनाडू । (विवेकशीलता सक्रियता)

उतर 9 :- 1. जंगली पशुओं का शिकार करना वन कानून के विरूद्ध है।

2. वृक्षों को काटना मना है ।

3. समय समय पर जंगली जीव जन्तुओं और वृक्षों की गणना की जाती है।

4. 1992 में सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई ।

5. 89 नेशनल पार्क, 49 वन्य प्राणी अभयवन और कई चिड़ियाघर बनाए गए हैं ।

6. स्वंय सेवी संस्थाएँ अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करती हैं।

जनसंख्या

उतर 1. : मानव पृथ्वी के संसाधानों का उत्पादन एवं उपभोग करता है इसलिए यह जानना आवश्यक है कि एक देश में कितनी जनसंख्या है , जनसख्या वृद्धि के कारण,उनके वितरण तथा अन्य सभी जानकारी होना आवश्यक है।

(जागरूकता)

उतर 2 : जनसंख्या के विषय में अध्ययन करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए-

क. जनसंख्या का आकार एंव वितरण ।

ख. जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रिया ।

ग. जनसंख्या के गुण या विशेषताएँ (विचारशीलता)

उतर 3 : जनसंख्या के वितरण के लिए उतरदायी कारण -

क. उपजाऊ भूमि - जहाँ भूमि उपजाऊ होती है वहॉ जनसंख्या का घनत्व अधिक है।

ख. जिन क्षेत्रों में अधिक वर्षा होती है वहॉ जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

ग. जिन क्षेत्रों में जलवायु अनुकूल होती है वहॉ जनसंख्या अधिक पाई जाती है

(तर्कशीलता, विचारशीलता)

उतर 4 :- किसी राष्ट्र की आबादी तीन वर्गो में बॉटी जाती है

क. बच्चे (सामान्यत: 15 वर्ष से कम) ये वर्ग आर्थिक रूप से उत्पादनशील नहीं होते है।

ख. व्यस्क (15 से 59 वर्ष) - ये आर्थिक रूप से उत्पादनशील तथा जैविक रूप से प्रजननशील होते है । यह जनसंख्या का कार्यशील वर्ग है।

ग. वृद्ध (59 वर्ष से अधिक) ये आर्थिक रूप से उत्पादनशील या अवकाश प्राप्त हो सकते है यह वर्ग प्राय: उत्पादनशील नहीं होते है ।

(जागरूकता)

उतर 5 प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते है । यह प्राय: पुरूषों के पक्ष में होता है।

(जागरूकता)

उतर 6 व्यावसायिक संरचना के आधार पर व्यवसायों को तीन वर्गो में बांटा जाता है -

क. प्राथमिक - इसमें कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, मत्स्य पालन तथा खनन आदि क्रियाएँ आती

हैं।

ख. द्वितीयक - कच्चे माल को संसाधित करके उसे मूल्यवान वस्तु में बदला जाता है इसमें उत्पादन करने वाले उद्योग आते हैं ।

ग. तृतीयक -इनमें परिवहन, संचार वाणिज्य, प्रशासन तथा सेवाएँ शामिल हैं ।

(जागरूकता , विचारशीलता)

उतर 7 :- किशोर जनसंख्या प्राय: 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के होते है । ये भविष्य के महत्वपूर्ण मानव संसाधन होते है । इसलिए इनके स्वास्थ्य तथा शिक्षा को लेकर भारत सरकार महत्वपूर्ण कार्य करती है ।

क. 14 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा ।

ख. बालवाड़ी पोषण कार्यक्रम ।

ग. राष्ट्रीय बाल नीति - 1994 ।

घ. मिड-डे आहार योजना ।

(जागरूकता)

उतर 8 जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम -

क. संसाधनों की कमी ।

ख. खाद्यान्नों की कमी ।

ग. बेरोजगारी ।

(जागरूकता , विचारशीलता)

नागरिक शास्त्र

मूल्य परक प्रश्न

अध्याय-चुनावी राजनीति

प्र01 रेखा के घर आज दो व्यक्ति आये जो मतदाता सूची को पूरा करने का कार्य कर रहे थे। क्या आप बता सकते हैं कि ये व्यक्ति किस संस्था द्वारा नियुक्त किये गये थे-

क. वित्त आयोग

ख. योजना आयोग

ग. चुनाव आयोग

घ. सरकारिया आयोग

प्र02 :- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्या है ?

क. 25 वर्ष की आयु का व्यक्ति लोकसभा का चुनाव लड़ सकता है।

ख. लड़की 18 वर्ष की आयु में व लड़का 21 वर्ष की आयु में विवाह कर सकता है।

ग. 18 वर्ष की आयु का हर व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के वोट डाल सकता है।

प्र03 स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में निम्न में से कौन सी परिस्थिति सहायक हो सकती है और क्यूँ ?

क. चुनाव वाले दिन सारे परिवार को एक साथ पिकनिक पर जाना चाहिए।

ख. चुनाव वाले दिन अपने रिश्तेदारों से मिलना चाहिए।

ग. चुनाव वाले दिन पूरी तरह से आराम करना चाहिए।

घ. चुनाव वाले दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

प्र04 लोकतंत्र को सफल बनाने के आप किस आधार पर मतदान करेंगे-

(क) योग्यता व सामाजिक योगदान के आधाार पर।

(ख) जाति के आधाार पर।

(ग) धर्म के आधाार पर।

(घ) क्षेत्र के आधार पर।

प्र05 चुनाव आयोग क्या कार्य करता है?

(क) छात्र संघ के चुनाव करवाता है।

(ख) लोकसभा व विधाानसभा का चुनाव करवाता है।

(ग) स्पीकर का चुनाव करवाता है।

(घ) न्यायाधीशों की नियुक्ति करवाता है।

प्र06 आपके अनुसार निम्नलिखित में कौन सा चुनाव अभियान का साधन नहीं है–

(क) पोस्टर लगवाना।

(ख) जनसभाएं करवाना।

(ग) भाषण देना।

(घ) पैसे बांटना।

प्र07 एक साक्षर व्यक्ति अपने मनपसंद उम्मीदवार को उसका नाम पढ़कर आसानी से मत दे सकता है, परन्तु जिसे पढ़ना नहीं आता, वह अपने मनपसंद उम्मीदवार को मत कैसे देगा।

(क) किसी की सहायता लेकर मत देगा।

(ख) अपने मत का प्रयोग नहीं करेगा।

(ग) उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह को देखकर मत देगा।

(घ) किसी को भी मत दे देगा।

प्र08 निम्नलिखित में से गलत कथन को सही करके लिखिए–

(क) भारत में आम चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् होता है।

(ख) जब किसी एक चुनाव क्षेत्र पर दुबारा चुनाव करवाये जाये तो उसे उपचुनाव कहते हैं।

(ग) पांच वर्ष से पहले होने वाले आम चुनाव को मध्यावधि चुनाव कहते हैं।

(घ) आम चुनाव, उपचुनाव या मध्यावधि चुनाव की घोषणा सरकार करती है।

मूल्य परक प्रश्न

अध्याय-संस्थाओं का कामकाज (नागरिक शास्त्र)

प्र01 :- संसदीय लोकतंत्र की प्रमुख संस्थाओं के नाम व कार्य बताओ।

प्र02 :- आपके अनुसार भारत में राष्ट्रपति के पास ज्यादा शक्तियां हैं अथवा प्रधानमंत्री के पास।

प्र03 :- क्या लोकतंत्र की सफलता के लिए संसद का होना आवश्यक है?

प्र04 :- भारतीय विधायिका एक सदनीय है अथवा द्विसदनीय? स्पष्ट कीजिए-

प्र05 :- कठपुतली के खेल में मंच के सामने कठपुतलियाँ वहीं करती हैं, जो मंच के पीछे से अनुभवी कलाकार करवाना चाहते हैं। क्या तुम कठपुतलियों व उनके पीछे के कलाकारों की तुलना राजनीतिक कार्यपालिका व स्थायी कार्यपालिका से कर सकते हैं?

प्र06 :- अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में राष्ट्राध्यक्ष व सरकार का मुखिया कौन होता है?

(क) प्रधानमंत्री (ख) संसद (ग) राजा (घ) राष्ट्रपति

प्र07 :- निम्नलिखित में से कौन सा कथन भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता में बाधा उत्पन्न करता है।

(क) न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है।

(ख) न्यायाधीशों को पद से हटाना एक कठिन प्रक्रिया के बाद ही संभव है

(ग) न्यायाधीशों को अच्छे वेतन तथा अन्य सुविधाएं दी जाती हैं।

(घ) सरकार अथवा कार्यपालिका, न्यायपालिका पर नियंत्रण रखती है।

प्र08 न्यायाधीश द्वारा मृत्युदंड प्राप्त मुजरिम को क्षमादान करने का अधिकार किसके पास है-

(क) सर्वोच्च न्यायाधीश

(ख) राज्यपाल

(ग) राष्ट्रपति

(घ) स्पीकर

नागरिक शास्त्र
मूल्यपरक प्रश्न
लोकतांत्रिक अधिकार

प्र01:- 1990 में मण्डल आयोग की रिपोर्ट को लागू किया-

(क) राजीव गांधी ने

(ख) चरण सिंह ने

(ग) चन्द्रशेखर ने

(घ) वी.पी. सिंह ने

प्र02 :- आप ने आठवीं कक्षा पास कर ली है। नौंवी कक्षा में आप को इसलिए प्रवेश नहीं दिया जाता है कि आप की माता जी धोबी का काम करती है। आप का कौन सा अधिकार आप से छिन रहा है?

प्र03 :- सउदी अरब की सरकार नागरिकों को कितनी स्वतंत्रता देती है?

प्र04 :- भारत के नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकार कौन-कौन से हैं?

प्र05 :- भारत में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए कौन-कौन से संवैधाानिक उपबन्ध हैं?

प्र06 :- नागरिकों को एक निश्चित आयु के बाद कौन से अधिकार प्राप्त होते हैं?

प्र07 :- मौलिक अधिकारों के अतिरिक्त संविधाान हमें और कौन-कौन से अधिकार देते हैं?

प्र08 :- घरेलू हिंसा कानून कब बना और किसको संरक्षण देता है ?

प्र09 :- किसी देश के लिए सर्वोच्च कानून कौन सा होता है ?

सर्वोच्च न्यायालय, संविधान, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री

नागरिक शास्त्र
मूल्य परक प्रश्न
अध्याय-चुनावी राजनीति

उ01 (ग) चुनाव आयोग (मूल्य राजनीतिक जागरूकता)

उ02 (ग) 18 वर्ष की आयु का हर व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के वोट डाल सकता है। (मूल्य-अधिकारों की जानकारी)

उ03 (घ)मतदान कम होने से कई बार किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाता, जिससे मिली जुली सरकार या गठबंधन सरकार बनाने की संभावना बढ़ जाती है। (मूल्य-राजनीतिक सक्रियता एवं जागरूकता)

उ04 :- (क) योग्यता व सामाजिक योगदान के आधार पर। (मूल्य विवेकशीलता)

उ05 :- (ख) लोकसभा व विधानसभा का चुनाव करवाता है।मूल्य (तुलनात्मक दृष्टिकोण)

उ06 :- (घ) पैसे बांटना मूल्य (नैतिकता व आचार संहिता का ज्ञान)

उ07 :- (ग) उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह को देखकर मत देगा। (मूल्य-राजनीतिक दलों व उनके चुनाव चिन्हों के प्रति जागरूकता)।

उ08 :- (घ) आम चुनाव, उपचुनाव या मध्यावधि चुनाव की घोषणा चुनाव आयोग करता है। (राजनैतिक विश्लेषण)

नागरिक शास्त्र
मूल्य परक प्रश्न
अध्याय-संस्थाओं का कामकाज (नागरिक शास्त्र)

उ01 (क) विधायिका - कानून बनाती है

(ख) कार्यपालिका - उन कानूनों को लागू करती है

(ग) न्यायपालिका - झगड़ों का निपटारा करती है।

मूल्य-शासन के प्रति जागरूकता।

उ02 संविधाान में राष्ट्रपति को नाममात्र का मुखिया बनाया है, वास्तव में उसकी शक्तियों का उपभोग प्रधानमंत्री व उसका मंत्रीमण्डल करता है।

मूल्य- तर्कशक्ति का विकास

उ03 हाँ, लोकतंत्र की सफलता के लिए संसद का होना आवश्यक है क्योंकि-

(क) संसद कानून बनाती है।

(ख) सरकार पर नियत्रंण रखती है।

(ग) वित्त पर नियत्रंण रखती है।

मूल्य- विश्लेषणात्मक शक्ति का विकास।

उ04 भारत में विधायिका द्विसदनीय है।

केन्द्रीय विधायिका, संसद के दो सदन हैं-

(1) लोकसभा

(2) राज्य सभा

मूल्य - तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास

उ05 कठपुतली के खेल में, मंच के सामने आकर जो कठपुतली अपना खेल दिखाती है, उसकी तुलना हम राजनीतिक कार्यपालिका अर्थात् मंत्रियों से कर सकते हैं, और कठपुतलियों से काम करवाने वाले मंच के पीछे वाले अनुभवी कलाकारों की तुलना हम स्थायी कार्यपालिका अर्थात् अनुभवी लोकसेवकों से कर सकते हैं।

मूल्य- रचनात्मकता।

उ06 (घ) राष्ट्रपति

मूल्य-शासन प्रणालियों के प्रति जागरूकता।

उ07 (घ) सरकार अथवा कार्यपालिका, न्यायपालिका पर नियंत्रण रखती है।

मूल्य- विश्लेषणात्मक सोच/दृष्टिकोण

उ08 (ग) राष्ट्रपति

मूल्य- अधिकारों के प्रति जागरूकता

नागरिक शास्त्र

मूल्यपरक प्रश्न

लोकतांत्रिक अधिकार

उ01 (ख) वी.पी. सिंह

(सामाजिक जागरूकता)

उ02 समानता का अधिकार तथा शिक्षा का अधिकार

(मौलिक अधिकारों के बारे में जागरूकता)

उ03 देश में राजतंत्र है इसलिए लोग शासकों का चुनाव नहीं करते हैं। न्यायधीशों की नियुक्ति भी राजा करते हैं। धार्मिक स्वतंत्रता नहीं प्राप्त है। मीडिया भी स्वतंत्र नहीं है। महिलाओं का वैधाानिक रूप से पुरूषों से कम का दर्जा मिला हुआ है।

(तुलनात्मक विश्लेषण)

उ04 1. समानता का अधिकार

2. स्वतंत्रता का अधिकार

3. शोषण के विरूद्ध अधिकार

4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

5. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार

6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार ।

(अधिकारों के प्रति जागरूकता)

उ05 राज्य महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष उपबन्ध बना सकता है। मनुष्य को खरीदने व बेचने तथा बेगार पर रोक लगा दी गई है। 14 साल से कम उम्र के बच्चों को काम पर नहीं लगाया जा सकता।

(मानवीय मूल्य)

उ06 मत देने का अधिकार- 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों को मत का अधिकार प्राप्त होता है। चुनाव लड़ने की आयु 25 वर्ष या उससे अधिक है।

(राजनैतिक अधिकारों की जानकारी)

उ07 1. प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार

2. सूचना का अधिकार

3. शिक्षा का अधिकार

(व्यापकता)

उ08 घरेलू हिंसा कानून 2006 में बना और इसके अन्तर्गत महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा प्रदान करना है।

(संवेदनशीलता)

उ09 संविधान

(विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण)

अर्थशास्त्र (Economic)
पाठ-निर्धनता : एक चुनौती

प्र01 निर्धनता का क्या अर्थ है ?

प्र02 (1) निर्धनता-रेखा क्या है ?

(2) निर्धनता-रेखा का आकलन कौन करता है?

प्र03 गरीबी से जुड़ी विभिन्न समस्याएं कौन-कौन सी हैं ?

प्र04 भारत में निर्धनता-रेखा का आकलन कैसे किया जाता है?

प्र05 भारत के प्रत्येक राज्य में निर्धन लोगों का अनुपात एक समान नहीं है, क्यों ?

प्र06 भारत में गरीबी के मुख्य कारणों का उल्लेख कीजिए।

प्र07 निर्धनता-उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा चलाई गई किन्हीं चार योजनाओं के बारे में बताइये।

प्र08 राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

प्र09 सरकार द्वारा निर्धनता विरोधी कार्यक्रमों का परिणाम मिश्रित रहा। कुछ कारण बताइये।

प्र010 भारत से निर्धनता को हटाने के उपाय बताइये।

अर्थशास्त्र (**Economic**)

पाठ- : भारत में खाद्य सुरक्षा

प्र01 खाद्य सुरक्षा का क्या अर्थ है ?

प्र02 समाज में खाद्य असुरक्षित लोग कौन-कौन से हैं ?

प्र03 अधिकतर परिवारों में महीने भर का इकट्ठा राशन खरीदा जाता है क्यों?

प्र04 भारत में सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा कैसे निश्चित की जाती है ?

प्र05 संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

क- बफर स्टॉक

ख- सार्वजनिक वितरण प्रणाली

प्र06 1. सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में क्या भूमिका है ?

2. दो सहकारी समितियों के उदाहरण दीजिए।

प्र07 जब कोई आपदा आती है तो खाद्य पूर्ति पर क्या प्रभाव होता है ?

प्र08 राशन कार्ड क्या है ? हमारे देश में प्रचलित तीन प्रकार के राशन कार्डों का उल्लेख करें।

प्र09 मौसमी भुखमरी और दीर्घकालिक भुखमरी में भेद कीजिए-

प्र010 किसी राहत शिविर में प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों को किस प्रकार सहायता दी जाती है ?

अर्थशास्त्र (**Economic**)

पाठ- निर्धनता : एक चुनौती

उ01 निर्धनता अर्थात् गरीबी से अभिप्राय जीवन के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं के अभाव से है।

(आर्थिक विकास की जानकारी)

उ02 (i) किसी व्यक्ति को निर्धनता रेखा से नीचे तब माना जाता है यदि उसकी आय या उपभोग का स्तर निर्धारित 'न्यूनतम स्तर' से नीचे गिर जाये।

(ii)निर्धनता-रेखा का आकलन राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (NSSO) करता है।

(मूल्य-जानकारी प्राप्त करना)

उ03 (i) भूमिहीनता

(ii) बेरोजगारी

(iii) निरक्षरता

(iv) खराब स्वास्थ्य/कुपोषण

(अ) बाल श्रम

(मूल्य-भारत में मौजूद समस्याओं की जानकारी)

उ04 भारत में निर्धनता-रेखा का आकलन दो विधियों द्वारा किया जाता है- आय विधि, व्यय विधि

आय विधि- इस विधि द्वारा वर्ष 2000 में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 328 रूपये प्रतिमाह व शहरी क्षेत्रों में 454 रूपये प्रतिमाह तय किया गया।

व्यय विधि- ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रतिदिन

नगरीय क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रतिदिन

व्यय तय किया गया।

(विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण)

उ05 भारत में उड़ीसा, बिहार, असम, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में गंभीर चुनौती के रूप में निर्धनता मौजूद है जबकि केरल, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु में पिछले कुछ वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है। इसके मुख्य कारण हैं-

1. मानव संसाधान विकास पर बल देना।
2. भूमि सुधाार उपायों को अपनाना
3. सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार

(तुलनात्मक - विश्लेषण)

उ06 भारत में गरीबी के मुख्य कारण इस प्रकार है-

1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि
2. पूंजी का अभाव
3. प्राकृतिक साधनों का पूर्ण उपयोग न होना
4. आय का असमान वितरण
5. बेरोजगारी
6. औद्योगिक पिछड़ापन
7. राजनैतिक एवं सामाजिक कारण

(विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण)

उ07 1. प्रधानमंत्री रोजगार योजना–1993
2. ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम– 1995
3. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना– 1999
4. प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना– 2000

(विकास के प्रति जागरूकता)

उ08 राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 की मुख्य वि ोशताएं हैं–

1. यह अधिनियम प्रत्येक वर्ष देश के 200 जिलों में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार का अवसर देता है।
2. रोजगार का एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित है।

(आर्थिक विकास के प्रति जागरूकता)

उ09 1. अति जनसंख्या
2. भ्रष्टाचार
3. कार्यक्रमों के उचित निर्धारण की कम प्रभावशीलता।

(विचार–शीलता)

उ010 1. जनसंख्या पर नियंत्रण होना चाहिए।
2. कीमतों की वृद्धि पर नियंत्रण।
3. रोजगार के अवसरों का सृजन करना।
4. लघु एवं कुटीर उद्योगों के निर्माण पर अधिक बल।
5. गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करना।

(जागरूकता)

अर्थशास्त्र (**Economic**)

पाठ- : भारत में खाद्य सुरक्षा

उ01 खाद्य सुरक्षा का अर्थ सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुंच और उसे प्राप्त करने की सामर्थ्य से है।

(जागरूकता)

उ02 1. भूमिहीन

2. पारम्पारिक दस्तकार

3. निराश्रित

4. भिखारी आदि

(मूल्य-जागरूकता)

उ03 किसी भी समय आवश्यकता पड़ने पर सामान की उपलब्धता का होना।

(संचय का महत्व)

उ04 1. बफर स्टॉक द्वारा

2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा

उ05 क-बफर स्टॉक- यह भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज, गेहूं और चावल का भंडार है जिससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

(सरकारी योजनाओं की जानकारी)

ख- सार्वजनिक वितरण प्रणाली- इसके अन्तर्गत अनाज को सरकार विनियमित राशन की दुकानों के माध्यम से गरीब वर्गो में वितरित करती है

(संचय का महत्व)

उ06 1. सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दुकानें खोलती हैं।

2. दो सहकारी समितियाँ-

क- दिल्ली में मदर डेयरी।

ख- गुजरात में अमूल दुग्ध उत्पादन।

(जागरूकता)

उ07 1. किसी प्राकृतिक आपदा जैसे सूखे के कारण खाद्यान्न की कुल उपज में गिरावट आती है।

2. उपज में कमी से कीमतें बढ़ जाती हैं।

3. आपदा के समय जमाखोरी व कालाबाज़ारी की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

(पर्यावरण व प्राकृतिक आपदा के प्रति जागरूकता)

उ08 राशन कार्ड वह कार्ड होता है जो उपभोक्ता के आर्थिक स्तर को दर्शाता है, इसमें परिवार के मुखिया का नाम, उसकी फोटो तथा परिवार के सदस्यों के नाम, आयु, लिंग आदि का उल्लेख होता है।

राशन कार्ड तीन प्रकार के होते हैं-

1. अंत्योदय कार्ड- यह निर्धनों में निर्धन लोगों के लिए होता है।
2. बी0पी0एल0 कार्ड- यह कार्ड निर्धनता रेखा से नीचे वाले लोगों के लिए होता है।
3. ए0पी0एल0 कार्ड-यह कार्ड निर्धनता रेखा से ऊपर रहने वाले लोगों के लिए होता है।

(मूल्य-राशनिंग व्यवस्था का ज्ञान)

उ09 1. मौसमी भुखमरी- इससे अभिप्राय उस स्थिति से है, जिसमें लोग एक विशेष मौसम में खाद्य असुरक्षित होते हैं अर्थात् वर्ष में कुछ महीने ही कार्य होता है जिससे आय होती है, अन्य वर्ष के महीनों में वह बेरोजगार होते हैं। इस तरह की भुखमरी गांवों एवं शहरों दोनों क्षेत्र में होती है।

2. दीर्घकालिक भुखमरी- इस तरह की भुखमरी लगातार अपर्याप्त खुराक (मात्र एवं गुण में कमी) का परिणाम है। अपर्याप्त आय के कारण पर्याप्त खाद्यान्न खरीदने में असमर्थ रहते हैं।

(संवदेनशीलता)

उ010 प्राकृतिक आपदा के समय राहत शिविर में प्रधानमंत्री राहत कोष से धनराशि दी जाती है। कई सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं जैसे खाद्य सामग्री, दवाईयां, वस्त्र आदि वितरित की जाती है।

(जागरूकता)